वर्षों से नेटवर्क को तरस रहे पतवास-गुरपा के गांवों में जगी उम्मीद, मोबाइल टावर का निर्माण शुरू

❐ दो दर्जनसे अधिक गांवोंकी बदलेगी तस्वीर❐ सांसद प्रतिनिधि ई. नंदलाल मांझीके प्रयास से मिली स्वीकृति

फतेहपुर (आससे)। जंगल-पहाड़ों के बीच बसे पतवास-गुरपा क्षेत्र के गांवों में अब मोबाइल नेटवर्क की समस्या दूर होने की उम्मीद जगी है। वर्षों से कमजोर संचार व्यवस्थाके कारण परेशानी झेल रहे ग्रामीणों के लिए राहत की पहल शुरू हो गई है।नतेहपुर प्रखंडके सुदूरवर्ती गुरपा वन क्षे>में मोबाइल टावर का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। टावर चालू होनेके बाद दो दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को मोबाइल नेटवर्क की सुविधा मिलने की उम्मीद है। इससे ग्रामीणों का संपर्क देश-दुनियासे आसान होगा और डिजिटल सेवाओं का लाभ उठाने में भी सहूलियत मिलेगी।

गुरपा बाजारमें चुनाव के दौरान ग्रामीणों ने केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री सह गया सांसद जीतन राम मांझी के समक्ष नेटवर्क की समस्या रखी थी। ग्रामीणों ने बताया था कि मोबाइल नेटवर्क नहीं रहने से जरूरी बातचीत करने, सूचनाएं प्राप्त करने और आनलाइन काम निपटाने में काफी परेशानी होती है।

समस्या की गंभीरता को देखते हुए सांसद प्रतिनिधि ई. नंदलाल मांझी ने केंद्रीय मंत्री को पत्र लिखकर क्षेत्रमें मोबाइल टावर लगवाने की मांग की थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री ने दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से गया संसदीय क्षेत्र के नेटवर्क विहीन गांवों में संचार सुविधा उपलब्ध कराने का आग्रह किया। इसके परिणामस्वरूप टावर निर्माण की



स्वीकृति मिली और अब निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

मोबाइल टावर से बसकटवा, पतवास, तितकाही, अलकडीहा, चमोता, घरगोहा, ललकीमाटी, गिधनी, डोभा, फरछाई, बकबारा और झरना समेत आसपास के दर्जनों गांवोंको लाभ मिलनेकी उम्मीद है।

नेटवर्क सुविधा उपलब्ध होनेसे विद्यार्थियों को आनलाइन पढ़ाई करने, युवाओं को डिजिटल सेवाओं का इस्तेमाल करने और ग्रामीणोंको जरूरी सूचनाएं प्राप्त करने में सहूलियत होगी। वहीं, आपात स्थिति में परिजनों से संपर्क करने और आवश्यक जानकारी साझा करने में भी आसानी होगी। वर्षों पुरानी समस्या के समाधानकी दिशा में काम शुरू होने से ग्रामीणों में खुशी है।

राजेश मांझी, मनोज यादव, सुभाष मांझी, सूरज सिंह, कलावती देवी, अमित मुंडा, टेंटो मुंडा और राजेश यादव समेत अन्य ग्रामीणों ने इस पहल के लिए केंद्रीय मंत्रीके प्रति आभार जताया। ग्रामीणोंको उम्मीद है कि मोबाइल टावर चालू होनेके बाद क्षेत्र की संचार व्यवस्था बेहतर होगी और नेटवर्क के अभाव में होने वाली परेशानियोंसे स्थायी राहत मिलेगी।

महानवमीको दु:खहरनी मंदिर प्रबंधन के तत्वावधान में लगा विशाल भंडारा

गयाजी। दु:खहरनी मंदिर प्रबंधन सहयोग समिति की ओर से चौथे वर्ष विशाल भंडारा का आयोजन किया जिसमें सम्पूर्ण जिलाके हजारों - हजार लोग शामिल होकर महाप्रसाद ग्राहन किया। इस अवसर पर उपस्थित दुखहरनी मंदिर प्रबंधन सहयोग समिति अध्यक्ष चंद्र भूषण मिश्रा, उपाध्यक्ष उदय मिश्रा, संयोजक बबलू बावा, प्रद्युम्न दुबे, पप्पू जी, संतोष जी, अजय पाण्डुके अलावा विजय कुमार मिठू, बाबूलाल प्रसाद सिंह, सुनील कुमार सिन्हा, शिव कुमार चौरसिया, सत्येंद्र सिंह, सहित अन्य ने सेवा देकर लोगों को प्रसाद परोसा। आज अति प्राचीन अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गयाजीके प्रमुख मंदिरों में एक माता दु:खहरनी मंदिर में नवरात्रके नौ दिनसे लेकर दशहरा यानी दशमीको भी भारी संख्यामें लोग दर्शन करने आते हैं। दु:खहरनी मंदिर गया जी के लोगोंका प्रमुख आस्था का केंद्र है। इस मंदिरका इतिहास 450 वर्ष पुराना है। जैसा कि मान्यता है कि यहां माता त्रिवेणी का यहां स्वरूप है जिसमें महाकाली, महालक्ष्मी, महासरस्वती का वास है। इस लिए यहां नवरात्रि पर तीन कलश की स्थापना होनेकी परंपरा है, जिसे यहां के 75 वर्षीय पुजारी चंद्र भूषण मिश्रा ने किया।

शब्दवीणा की मासिक साहित्यिक भेंटवार्ता 'एक शाम साहित्य के नाम' के अक्टूबर अंक का हुआ आयोजन

गया जी। राष्ट्रीय साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था 'शब्दवीणाश की हरियाणा प्रदेश समिति एवं फरीदाबाद जिला समिति द्वारा आयोजित होने वाली मासिक भेंटवार्ता 'एक शाम साहित्य के नाम' के अक्टूबर माहके अंक में आमंत्रित साहित्यकार के रूप में फरीदाबाद, हरियाणा के रचनाकार प्रभु दयाल खटर रहे। वार्ताकार के रूप में कार्यक्रम की संयोजिका शब्दवीणा हरियाणा प्रदेश सचिव सरोज कुमार ने भूमिका निभाई। श्रीमती सरोज ने श्री खटर का संक्षिप्त परिचय देते हुए शब्दवीणा मंच पर हार्दिक अभिनंदन किया। समाज तथा साहित्य पर आधारित विभिन्न रोचक प्रश्नों के माध्यम से भेंटवार्ता आगे बढ़ी।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण शब्दवीणा केन्द्रीय फेसबुक पेज से किया गया, जिससे पुरुषोत्तम तिवारी, सुरेश विद्यार्थी, पी.के. मोहन, महावीर सिंह वीर, निगम राज, प्रो. सुनील कुमार उपाध्याय, अरुण अपेक्षित, संतोष कुमार जयंत, बलवंत सिंह, अमित उप्पल एवं डा. रश्मि प्रियदर्शनी सहित देश के विभिन्न प्रदेशों से जुड़े साहित्यानुरागियों ने कार्यक्रमका आनंद उठाया।

सीयूएसबी का शोध अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'डिस्कवर पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित

टिकारी (आससे)। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय के भूगोल विभागकी विभागाध्यक्ष प्रो. किरण कुमारी और उनके शोधार्थी आकाश कुमार का संयुक्त शोधपत्र प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका 'डिस्कवर पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित हुआ है। यह शोध पत्रिका स्कोपस (क्यू 4) तथा वेब आफ साइंस के उभरते स्रोत उद्धरण सूचकांक में सूचीबद्ध है। इस उपलब्धि पर लेखकों को बधाई देते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने कहा कि यह प्रकाशन विश्वविद्यालय के लिए एक महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक एवं शोध उपलब्धि है। इससे स्वास्थ्य भूगोल, स्थानिक विश्लेषण, क्षेत्रीय नियोजन तथा सतत विकास के क्षेत्रोंमें विभाग के शोध योगदानको अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली है।

जन संपर्क पदाधिकारी मोहम्मद मुदस्सीर आलम ने कहा कि यह अध्ययन शहरी स्वास्थ्य सेवाओं में भौगोलिक असमानताओं को समझने तथा जनसंख्या की आवश्यकताओंके अनुरूप स्वास्थ्य अवसंरचनाके विकासके लिए साक्ष्य- आधारित नियोजनको बढ़ावा देनेके महत्त्व को रेखांकित करता है। मैपिंग स्पेशियल एंड सोशियोइकानामिक डिस्पेरिटिस इन पब्लिक हेल्थकेयर एक्सेसिबिलिटी इन पटना सिटी' पटना नगर में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की सुलभता में स्थानिक एवं सामाजिक-आर्थिक विषमताओं का



मानचित्रण' शीर्षक वाला यह शोधपत्र सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता, अस्पतालों तक भौगोलिक पहुँच तथा पटना नगरके विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहोंके बीच विद्यमान असमानताओं का अध्ययन करता है। शोधकर्ताओं ने पटना नगर के छह प्रशासनिक क्षेत्रोंके 384 उत्तरदाताओंसे एकत्रित सर्वेक्षण आँकड़ोंका विश्लेषण किया। अध्ययन में अस्पतालोंके स्थान, सड़क मार्गोंके जाल, जनसंख्या घनत्व तथा भूमि की उपलब्धतासे संबंधित आंकड़ोंको भी शामिल किया गया। इन सभी आंकड़ों का समन्वित विश्लेषण करके शोधकर्ताओंने ऐसे क्षेत्रोंकी पहचान की, जहाँ मौजूदा सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएँ स्थानीय आबादीकी आवश्यकताओं को पर्याप्त रूपसे पूरा नहीं कर पा रही हैं। अध्ययनके निष्कर्षोंके अनुसार, 39 प्रतिशत सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धताको अपर्याप्त बताया, जबकि 41 प्रतिशत उत्तरदाताओंने अस्पतालों में बिस्तरोंकी उपलब्धतापर असंतोष व्यक्त किया।

शोधकर्ताओंने सुझाव दिया है कि पटना नगर के बाहरी क्षेत्रों तथा उन स्थानों को अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिए, जहाँ पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध नहीं हैं। नए स्वास्थ्य केंद्रोंकी स्थापना, परिवहन संपर्क व्यवस्थामें सुधार तथा सरकारी स्वास्थ्य योजनाओंके प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने से स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुँच बेहतर हो सकती है।

हाहेसाड़ी में भक्तिमय माहौल में हुआ कलश विसर्जन

बाराचटी (आससे)। बाराचटी प्रखंड के विभिन्न स्थानों पर नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रके समापन पर सोमवार को पूजा-अर्चना, हवन और कलश विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला। धनगाई थाना क्षेत्र के पतलुका पंचायत अंतर्गत हाहेसाड़ी गांव में दुर्गापूजा समिति की ओर से नवमी के दिन शाम चार बजे कलश विसर्जन किया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए। पूरा गांव माता रानी के जयकारों से गूंज उठा।

नवरात्र के समापन पर कुमारी कन्याओं को भोज कराया गया। वहीं, कलश विसर्जन शांतिपूर्ण ढंगसे संपन्न होने के बाद पूजा समिति की ओर से भव्य भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य अरविंद यादव, राजद प्रखंड अध्यक्ष ख्र ष्णदेव यादव, पप्पू कुमार,पूजा समिति अध्यक्ष फूलदेव यादव, केडी यादव, विजय कुमार यादव, रघुनंदन यादव, रामानंदन यादव, महेश यादव, संदीप कुमार, सत्येंद्र साव और उमाशंकर साव सहित कई लोग मौजूद रहे।

अभियुक्त चढ़ा पुलिस के हत्थे

डोभी(आससे)। बहेरा थाना कांड संख्या 81/26 के प्राथमिकी अभियुक्त नीतीश कुमार पिता भैरो यादव ग्राम खराटी टोला मौलानगर थाना बहेरा जिला गया को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय उपस्थापन हेतु भेजा गया। मालुम हो कि एक के आइसी मे हो रहे कार्य मे बाधा डालने के आरोप पहले पांच लोगों को जेल भेजा जा चुका है। उपरोक्त जानकारी बहेरा थानाध्यक्ष रवि रंजन कुमार ने दी।

गाजे-बाजे के साथ निकाला गया मां दुर्गा व काली प्रतिमाओंका विसर्जन जुलूस

रफीगंज (आससे)। रफीगंज शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रोंमें मां दुर्गा और काली



प्रतिमाओंका विसर्जन जुलूस बुधवारको गाजे-बाजे के साथ निकाला गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भक्तिमय माहौल में मां के जयकारे लगाए और भजन एवं विदाई गीत गाकर नम आंखों से माता को विदाई दी। शहर की सभी प्रतिमाओं का विसर्जन धावा नदी में किया गया।

रफीगंज शहरके बड़ी दुर्गा देवी स्थान, काली स्थान, लोहार पटी देवी स्थान, चरकावां शिशु संघ, हाजीपुर गोला, स्टेशन परिसर, बाबूगंज काली स्थान, महाराजगंज एवं संगत सहित ग्रामीण क्षेत्र के पौथू और भदवामें स्थापित मां दुर्गा एवं काली प्रतिमाओंका विसर्जन जुलूस निकाला गया। शहर में जुलूस बड़ी दुर्गा देवी स्थान से निकलकर काली स्थान, मेन बाजार और स्टेशन रोड होते हुए वापस बस स्टैंड पहुंचा। इसके बाद प्रतिमाओं को धावा नदी में विसर्जित किया गया।

विसर्जन जुलूस को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन एवं पुलिस की टीम मुस्तैद रही। एसडीएम, बीडीओ कुमार अश्विनी, अंचलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, इंस्पेक्टर विनय कृष्ण प्रसाद और रीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार पुलिस बल के साथ सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी कर रहे थे। मौके पर गिरिजा प्रसाद, प्रदीप ऊ बाबू प्रसाद, शंकर शौंडिक, दिलीप ऊ कारू प्रसाद, पवन गुप्ता, रितेश खत्री, अशोक प्रसाद, शिवनाथ प्रसाद, विनय कुमार, संजय योगी, शंभू खत्री, राजू गुप्ता, सूरज, मयंक, लाल भूषण मिश्र, रंजीत मिश्र, धीरज कुमार सिंह सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

बीटीएमसी प्रबंधन कमेटी के सचिव सहित अन्य खाली पदों को अविलंब गठन भरे सरकार : कांग्रेस

गयाजी। बोधगया मंदिर प्रबंधन कमिटी के सचिव पद लगभग तीन महीने से ज्यादा दिनोंसे खाली रहने के कारण मंदिर प्रबंधन का कार्य कलाप ठीक-ठाक नहीं चल रहा है, जबकि बोधगयाका सीजन नवम्बर, दिसंबर, जनवरी में ही ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटीके प्रदेश प्रतिनिधि विजय कुमार मिठू, जिला उपाध्यक्ष राम प्रमोद सिंह, बाबूलाल प्रसाद सिंह, युगल किशोर सिंह, विद्या शर्मा, शिव शंकर प्रसाद, रामजी मांझी, बृजेश राय, गोपाल पासवान, धर्मेंद्र कुमार निराला, सुनील कुमार पासवान, अनिल यादव आदि ने कहा कि राज्य सरकारसे पूछा कि आखिर ठण्डब का गठन तीन माह से क्यों नहीं किया जा रहा।

जनता दरबार में एसएसपी ने सुनीं आमजनों की फरियाद

गयाजी। वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार ने जनता दरबार का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना। जनता दरबार में विभिन्न क्षेत्रें से आए फरियादियों ने अपनी-अपनी समस्याओं



को एसएसपी के समक्ष रखा और न्याय दिलाने की गुहार लगाई। इस दौरान वरीय पुलिस अधीक्षकने सभी फरियादियोंकी शिकायतों को ध्यानपूर्वक सुना तथा संबंधित मामलों की जानकारी ली। उन्होंने समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निष्पादन के लिए संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही, शिकायतों के निपटारे में संवेदनशीलता बरतने और नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

इसमाइलपुर स्टेशनपर रेल सुविधाओं की मांग उठी

गुरारू। इसमाइलपुर रेलवे स्टेशन पर गुरुवारको आयोजित रेल जन संवाद कार्यक्रम में स्थानीय लोगों और यात्रियोंने रेल सुविधाओंमें सुधार का मुद्दा उठाया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय मंडल के मंडल कार्मिक पदाधिकारी प्रकाश कुमार सिंह एवं वेलकेयर इंस्पेक्टर मनोज कुमार को 11 सूत्री मांग पत्र सौंपकर क्षे> की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग की गई। उत्तर कोयल नहर किसान संघर्ष मोर्चा, मगधके मुख्य संरक्षक जयनंदन शर्मा के नेतृत्व में लोगोंने इसमाइलपुर में अंगरा शाखा नहर तथा देवरोड हाल्ट के समीप कोटवारा शाखा नहर पर रेल पुल निर्माण कराने की मांग रखी। इसके अलावा इसमाइलपुर स्टेशन पर ओवरब्रिज बनाने, दून एक्सप्रेस और सियालदह एक्सप्रेस का ठहराव सुनिश्चित करने तथा दोपहर में डाउन लाइन पर पैसेंजर ट्रेन चलाने की मांग भी शामिल रही।

युवाओं को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का मिलेगा मौका, 27 तक करें आवेदन

गयाजी। बिहार सरकारके कला एवं संस्कृति विभाग और जिला प्रशासन, गया के संयुक्त तत्वावधान में 'जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026' का आयोजन 31 अक्टूबरको प्रेक्षागृह-सह-आर्ट गैलरी, हरिदास सेमिनरीमें किया जाएगा। जिला कला एवं संस्कृति पदाधिकारी के अनुसार, यह प्रतियोगिता युवाओं को राष्ट्रीय स्तर तक अपनी कला प्रदर्शित करने का बेहतरीन अवसर प्रदान करती है।

उत्सवमें समूह लोक नृत्य, समूह लोक गायन, नुक्कड़ नाटक, चित्रकारी और कविता लेखन जैसी कुल पाँच स्पर्धाएँ होंगी। मुख्य प्रतिभागियोंके लिए आयु सीमा 15 से 29 वर्ष तथा सहायक वादकों के लिए 18 से 40 वर्ष तय की गई है। भाग लेने से पूर्व सभी युवाओं को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इच्छुक अभ्यर्थी आवेदन पत्र जिला प्रशासन की वेबसाइट हलं.दपब.पद से डाउनलोड कर सकते हैं। भरा हुआ फार्म ईमेल dacogaya@gmail.comपर या आफ़लाइन माध्यम से जिला कला एवं संस्कृति कार्यालय, समाहरणालय में 27 अक्टूबरकी शाम 4 बजे तक जमा कर सकते हैं। इसके बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।

बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), बिहार, पटना – 800015

अत्यावश्यक सूचना

सभी संबंधित को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बिहार विधान परिषद् के पटना स्नातक एवं पटना शिक्षक, तिरहुत स्नातक एवं तिरहुत शिक्षक, दरभंगा स्नातक एवं दरभंगा शिक्षक, कोसी स्नातक तथा सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का द्विवार्षिक निर्वाचन, 2026 के अवसर पर निर्वाचकों की व्यक्तिगत पहचान अनिवार्य है। निर्वाचक की व्यक्तिगत पहचान स्थापित होने के पश्चात् ही मतदान करने की अनुमति दी जायेगी। शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के भी निर्वाचक होते हैं। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक होने के कारण निर्वाचकों की व्यक्तिगत पहचान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचकों को मतदाता फोटो पहचान पत्र निर्गत किये गये हैं। ऐसे मतदाता फोटो पहचान पत्र के आधार पर निर्वाचक अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित कर मतदान में भाग ले सकते हैं। वैसे निर्वाचक जिन्हें किसी कारणवश निर्वाचक फोटो पहचान पत्र निर्गत नहीं किया जा सका है अथवा निर्वाचक फोटो पहचान पत्र किसी कारणवश प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उनकी व्यक्तिगत पहचान के लिए आयोग के द्वारा वैकल्पिक फोटो दस्तावेजों की सूची जारी कर दी गई है, जिनका इस्तेमाल मतदान के समय व्यक्तिगत पहचान स्थापित करने में किया जा सकता है। वैकल्पिक दस्तावेजों की सूची निम्न प्रकार है:–

(I) आधार कार्ड,
(ii) ड्राइविंग लाइसेन्स,
(iii) पैन कार्ड,
(iv) भारतीय पासपोर्ट,
(v) राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए सेवा पहचान–पत्र,
(vi) सांसदों/विधायकों/पार्षदों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र,
(vii) शैक्षिक संस्थाओं, जिसमें संबंधित शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नियोजित हो, द्वारा जारी सेवा पहचान पत्र,
(viii) विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण–पत्र,
(ix) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण–पत्र, और
(x) यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

उपर्युक्त दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर निर्वाचक द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा, बशर्ते कि इससे निर्वाचक की पहचान स्थापित हो जाती हो।

मतदाता फोटो पहचान पत्र में निर्वाचक, पिता, माता एवं पति का नाम तथा लिंग, आयु या पता से संबंधित प्रविष्टियों में मामूली विसंगतियों को नजरंदाज कर देना चाहिये। मतदाता को मतदान करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते मतदाता की पहचान मतदाता फोटो पहचान पत्र से सुनिश्चित की जा सके।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

(अशोक प्रियदर्शी)
उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी,
बिहार

PR. No. 014018 (Election) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार सरकार
निर्वाचन विभाग
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार का कार्यालय
7, सरदार पटेल मार्ग (मैंगल्स रोड), बिहार, पटना – 800015

अत्यावश्यक सूचना

सभी संबंधित को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि बिहार विधान परिषद् के पटना स्नातक एवं पटना शिक्षक, तिरहुत स्नातक एवं तिरहुत शिक्षक, दरभंगा स्नातक एवं दरभंगा शिक्षक, कोसी स्नातक तथा सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का द्विवार्षिक निर्वाचन, 2026 के अवसर पर निर्वाचकों की व्यक्तिगत पहचान अनिवार्य है। निर्वाचक की व्यक्तिगत पहचान स्थापित होने के पश्चात् ही मतदान करने की अनुमति दी जायेगी। शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के भी निर्वाचक होते हैं। विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों के निर्वाचक होने के कारण निर्वाचकों की व्यक्तिगत पहचान के लिए भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचकों को मतदाता फोटो पहचान पत्र निर्गत किये गये हैं। ऐसे मतदाता फोटो पहचान पत्र के आधार पर निर्वाचक अपनी व्यक्तिगत पहचान स्थापित कर मतदान में भाग ले सकते हैं। वैसे निर्वाचक जिन्हें किसी कारणवश निर्वाचक फोटो पहचान पत्र निर्गत नहीं किया जा सका है अथवा निर्वाचक फोटो पहचान पत्र किसी कारणवश प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, उनकी व्यक्तिगत पहचान के लिए आयोग के द्वारा वैकल्पिक फोटो दस्तावेजों की सूची जारी कर दी गई है, जिनका इस्तेमाल मतदान के समय व्यक्तिगत पहचान स्थापित करने में किया जा सकता है। वैकल्पिक दस्तावेजों की सूची निम्न प्रकार है:–

(i) आधार कार्ड,
(ii) ड्राइविंग लाइसेन्स,
(iii) पैन कार्ड,
(iv) भारतीय पासपोर्ट,
(v) राज्य/केन्द्र सरकार, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों या अन्य निजी औद्योगिक घरानों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी किए गए सेवा पहचान–पत्र,
(vi) सांसदों/विधायकों/पार्षदों को जारी किए गए सरकारी पहचान पत्र,
(vii) शैक्षिक संस्थाओं, जिसमें संबंधित शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का निर्वाचक नियोजित हो, द्वारा जारी सेवा पहचान पत्र,
(viii) विश्वविद्यालय द्वारा जारी डिग्री/डिप्लोमा का मूल प्रमाण–पत्र,
(ix) सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण–पत्र, और
(x) यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार।

उपर्युक्त दस्तावेजों में से कोई भी एक दस्तावेज प्रस्तुत करने पर निर्वाचक द्वारा मताधिकार का प्रयोग किया जा सकेगा, बशर्ते कि इससे निर्वाचक की पहचान स्थापित हो जाती हो।

मतदाता फोटो पहचान पत्र में निर्वाचक, पिता, माता एवं पति का नाम तथा लिंग, आयु या पता से संबंधित प्रविष्टियों में मामूली विसंगतियों को नजरंदाज कर देना चाहिये। मतदाता को मतदान करने की अनुमति दी जा सकती है, बशर्ते मतदाता की पहचान मतदाता फोटो पहचान पत्र से सुनिश्चित की जा सके।

उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

(अशोक प्रियदर्शी)
उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी,
बिहार

PR. No. 014016 (Election) 2026-27

नशामुक्त हो जाए बिहार, सुरक्षित रहे घर परिवार।

बिहार सरकार
न्यायालय, समाहर्त्ता एवं जिला दंडाधिकारी, सुपौल
फोन नं0–06473–223112 (कार्या0) 06473–224210 (फैक्स)
E-mail : legalsectionsupaul@gmail.com,
E-mail : dm-supaul.bih@nic.in

नामान्तरण पुनरीक्षण/जमाबंदी रद्दीकरण वाद संबंधी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि (1) पुनरीक्षणकर्त्ता निर्मली देवी, पति–योगेन्द्र पासवान, साकिन–चकला निर्मली, वार्ड नं0–06, पो0+थाना+जिला–सुपौल के द्वारा भूमि सुधार उप समाहर्त्ता, सुपौल के नामान्तरण अपील वाद सं0–167/2025–26 में दिनांक 03.07.2026 को पारित आदेश के विरूद्ध नामान्तरण पुनरीक्षण वाद सं0–29/2026–27 दायर किया गया है।
(2) अपीलार्थी सुधीर प्रसाद, पे0–स्व0 नागेश्वर प्रसाद, साकिन+पो0–कोरियापट्टी, (प0) थाना–जदिया, जिला–सुपौल के द्वारा अपर समाहर्त्ता, सुपौल के जमाबंदी रद्द वाद सं0–58/2024–25, में दिनांक 23.06.2026 को पारित आदेश के विरूद्ध जमाबंदी रद्दीकरण अपील वाद सं0–08/2026–27 दायर किया गया है।
अतएव कॉलम 05 में अंकित विपक्षी वाद से संबंधित दावा/साक्ष्य के संबंध में यदि कोई सूचना देना चाहते है हो या दावा करना चाहते हो तो उक्त निर्धारित तिथि को समाहर्त्ता न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रख सकते है।

नामान्तरण पुनरीक्षण/जमाबंदी रद्दीकरण वाद से संबंधित भूमि की सूची निम्न प्रकार है :–

Sl.	Case No.	Case Type	Petitioner VS Respondent	Address of Respondent	Land Detail	Next Date of Hearing
1	2	3	4	5	6	7
1	29/2026-27	नामान्तरण पुनरीक्षण वाद	निर्मली देवी, बनाम राजेन्द्र सुतिहार एवं राज्य	राजेन्द्र सुतिहार, पिता–स्व0 देव नारायण सुतिहार, साकिन–किशनपुर दक्षिण टोला–फुलकाहा, वार्ड नं0–11, थाना–किशनपुर, जिला–सुपौल	अंचल–सुपौल, मौजा–सुपौल चकला निर्मली, सुपौल नगरपालिका, वार्ड नं0–12(पु0), नगर परिषद्, वार्ड नं0–27 (नया), थाना नं0–217, खाता 99 (नया), खेसरा 1723, रकबा 0–6.550 डी0	26-10-2026
2	08/2026-27	जमाबंदी रद्दीकरण अपील वाद	सुधीर प्रसाद बनाम मल्लो मंडल	मल्लो मंडल, पिता–भिश्री मंडल, सा0+पो0–कोरियापट्टी, (प0), वार्ड नं0–13, थाना–जदिया, जिला–सुपौल	मौजा–कोरियापट्टी, थाना–जदिया, जिला–सुपौल, खाता–777, खेसरा 4407 रकबा 0–18डी0, 0–09डी0, जमाबंदी नं0–4914/1419, 1127	26-10-2026

यदि निर्धारित तिथि को वर्णित वाद में कोई दावेदार या कोई सूचक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष नहीं रखते है/कोई दावा नहीं करते है एवं उक्त वाद के संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है तो सक्षम प्राधिकार द्वारा उपर्युक्त वाद के संबंध में एकपक्षीय आदेश पारित किया जा सकता है।
यदि उपर्यक्त वर्णित भूमि से संबंधित किसी न्यायालय में **अपील/नामान्तरण** दायर किया गया हो या विचाराधीन हो तो इस संबंध में संबंधित पक्ष किसी भी कार्य दिवस को समाहर्त्ता न्यायालय में उपस्थित होकर सूचना दे सकते हैं।
आज दिनांक– 09/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया।

PR- 014044 (District) 2026-27

समाहर्त्ता–सह–जिला दंडाधिकारी, सुपौल

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

एक दशक बाद फिर जीवंत हुआ डुमरीचट्टी का रंगमंच, बाल कलाकारों ने बिखेरी प्रतिभा

1972 में हुई थी किशोर नाट्य क्लब की स्थापना

फतेहपुर (आससे)। फतेहपुर प्रखंड के डुमरीचटीमें दुर्गा पूजा के अवसर पर बाल कलाकारोंने अपनी प्रतिभा से गांव के सांस्कृतिक मंच को फिर से जीवंत कर दिया। करीब एक दशक से खामोश पड़े किशोर नाटड क्लब के मंच पर जब बच्चों ने भक्ति झांकी, लोक कला, प्रहसन और हास्य नाटकों की प्रस्तुति दी, तो पूरा माहौल तालियोंकी गड़गड़ाहट से गूंज उठा। बाल कलाकारों की शानदार प्रस्तुतियोंने दर्शकों का मन मोह लिया। इस पहल से गांव की पुरानी नाटड परंपरा को दोबारा आगे बढ़ाने की उम्मीद जगी है।

भोला गोस्वामी और अनुज गुप्ताके सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत भक्ति झांकी से हुई। इसके बाद बाल कलाकारोंने लोक कला, भक्ति और हास्य पर आधारित नाटकों का मंचन किया। बच्चों ने अपने अभिनय, संवाद अदायगी और उत्साह से दर्शकों को प्रभावित किया। उनकी प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियां बजाकर हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने प्रतिभागी बाल कलाकारों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

महानवमी और विजयादशमी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में किशोर नाटड क्लब के दिवंगत संयोजक सह निर्देशक स्व. सुरेंद्र किशोर केलकर, स्व. हेमराज प्रसाद केशरी और स्व. मुन्नी प्रसाद अकेला के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई।

किशोर नाटड क्लबकी स्थापना वर्ष 1972 में हुई थी। इसके माध्यम से लंबे समय तक डुमरीचटीमें नाटकों और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा। हालांकि, पिछले करीब एक दशक से नाटड मंचन बंद रहनेके कारण गांव की यह सांस्कृतिक गतिविधि ठहर गई थी। अब भोला गोस्वामी और अनुज गुप्ताके सहयोग से बाल कलाकारों ने एक बार फिर मंच संभालकर इस परंपरा को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया है।

सम्राट अशोक धम्म विजयादशमी के रूप में मनी

गयाजी। सम्राट अशोक का हृदय परिवर्तन और बौद्ध धम्मकी दीक्षा के अवसर